سیکنڈری اسٹیل سے روزمرہ کی چیزوں، سائیکل اور کھیتی باڑی کی چیزیں بناتے ہیں انہیں راحت ملے گی، لیکن ایسا نہیں ہوا۔ کسٹم ڈیوٹی کو ۲۰ فیصد ہی رہنے دیا گیا اور سینٹرل ایکسائز ڈیوٹی ۴ فیصد سے بڑھا کر ۱۶ فیصد، اور پھر ۲۰ فیصد کر دی گئی، جبکہ پرائم اسٹیل پر ڈیوٹی ۵ فیصد ہی ہے، جس کا فائدہ بڑے کارخانوں کو ملتا ہے۔ سرکار نے پرائم اسٹیل پر ڈیوٹی ۴۰ فیصد سے گھٹا کر ۵ فیصد اس لئے کی تھی کہ اسٹیل کی قیمت استھر رہے اور گھریلو کارخانوں کو مال مناسب داموں پر ملے، لیکن یہ بڑے اسٹیل پلانٹ اپنے اتپادن کا ۹۰ فیصد ایکسپورٹ کر دیتے ہیں، اور گھریلو کارخانوں کو بچا کھچا مال ہی ملتا ہے، جسکی وجہ سے چھوٹے ادھیوگوں کے پاس مال کی کمی ہو جاتی ہے اور اتپادن نہیں ہو پاتا ہے۔ اس کی وجہ سے مہنگائی اور بے روزگاری کے ساتھ ساتھ اپرادھ بھی بڑھ رہے ہیں۔ میری سرکار سے مانگ ہے کہ وہ بڑے اسٹیل ادھیوگوں کے ساتھ ساتھ، چھوٹے اور گھریلو ادھیوگوں کو بھی واجب دام میں اسٹیل مہیا کرائے اور سیکنڈری اسٹیل کی کسٹم ڈیوٹی کو ۲۰ فیصد سے گھٹا کر پرائم اسٹیل کی کسٹم ڈیوٹی کے برابر کیا جائے۔ اسٹیل کی قیمتوں کو روز سماچار پتروں میں پرکاشت کیا جانا چاہئے، جس سے اسٹیل کی کالابازاری کو روکا جا سکے۔ اس سے بڑے لوگوں کے ساتھ، غریب بھی خوش رہیں گے۔

''ختم شد''

श्री विजय सिंह यादव (बिहार): मैं अपने आप को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री कमाल अख्तर (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

Concern over the miserable conditions of the weavers in the Country

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, देश के बुनकरों की दशा आज सरकार की उपेक्षा के कारण काफी दयनीय हो गई है। कई क्षेत्रों में बुनकरों ने अपनी दयनीय हालत के कारण आत्महत्या करनी शुरू कर दी है, क्योंकि बुनकर व्यवसाय से वे अपना परिवार का लालन-पालन करने में असमर्थ हैं। उन्हें कच्चा माल उचित मूल्य पर नहीं मिल पा रहा है। चीन से सिल्क के कपड़े और सिल्क का कच्चा माल, तस्कारी के द्वारा भारतीय बाज़ार में बिक रहा है। इन बुनकरों को सरकार की ओर से ईमानदारी से राज्य सहायता एवं अन्य सहायता भी नहीं मिल पा रही है। सरकार ने बुनकरों के लिए हालांकि कई योजनाएं शुरू की हैं, परन्तु ये योजनाएं केवल सरकारी कागजों में पूरी हो रही हैं, बुनकरों को इससे कोई विशेष फायदा नहीं हो रहा है। एक जमाने में इन बुनकरों के माध्यम से उत्पादित कपड़ा पूरे विश्व में प्रसिद्ध था और एक अंगूठी में से कई मीटर कपड़ा पार हो जाता था। दुनिया में इनके द्वारा उत्पादित कपड़े की काफी मांग है, फिर भी सरकार बुनकरों की दशा सुधारने के लिए ठीक ढंग

से काम नहीं कर पा रही है। बनारस का सिल्क उद्योग आज बंद होने के कगार पर है। आजमगढ़ के लालगंज के कई बुनकर अपना व्यवसाय बंद करके शहरों में मजदूरी के लिए पलायन कर रहे हैं।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि बुनकरों के लिए जो योजनाएं बनी हैं, उनकी समीक्षा की जाए और बुनकरों को सीधे राज्य-सहायता एवं अन्य सहायता, विशेषकर कच्चे माल की प्राप्ति एवं उनके विपणन में सहायता की जाए।

श्री विजय सिंह यादव (बिहार): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री कमाल अख्तर (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री भगवती सिंह (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

†**श्री अबू आसिम आजमी** (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस स्पैशल मैंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

†श्री ابو عاصم اعظمی (اتر پردیش): میں اپنے کو اس اسپیشل مینشن کے ساتھ ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔

Demand for change of site of the second Airport in Pune in Maharashtra

SHRI SHARAD ANANTRAO JOSHI (Maharashtra): Mr. Deputy Chairman, Sir, the Government of India has decided to construct a new international airport for Pune in the vicinity of the township of Chakan.

The proposed construction of the said airport involves displacement of a large number of villagers from the Ambethan village, including a whole community of farmers who have already been once displaced on account of the construction of the Pawana Dam only 30 years back.

The site of the proposed airport is in close vicinity of some sacred and historic monuments associated with the great saint Tukaram and requires cutting down of large tracts of forests on the western slopes of Sahyadris. The site chosen for the airport is such as to involve massive earthwork for levelling hills and filling up the ravines. The plot of land of about 7000 hectares, which was earmarked for acquisition for the development of an industrial estate (Chakan Phase-II), which was denotified later on, remains unused till date.

The farmers of the land, previously earmarked for acquisition, are willing to make that land available for the construction of the airport. The site now proposed for the airport includes some prime agricultural land that has

†Transliteration of Urdu Script.